1 हम गढ़ते अपनी तकदीर

- परिचयात्मक प्रश्न : ऐसे कौन-से कार्य हैं, जिन्हें आप सरलता से कर सकते हैं? ऐसे कौन-से कार्य हैं जो कठिन जान पड़ते हैं, फिर भी आपमें से अनेक बच्चे उन्हें कर सकते हैं?
- प्रतिबिंब : कविता के माध्यम से बालकों में स्वावलंबन के भाव भरना।
- परिकल्पना : क्या आप जानना चाहेंगे कि आप और क्या-क्या कर सकते हैं?

अपने छोटे-नन्हें हाथों से-
हम गढ़ते अपनी तकदीर।
बंद हमारी मुट्ठी में है
अपने जीवन की तस्वीर।
राष्ट्र नवीन बना सकते हैं
मानव नया बना सकते हैं
हम न रुकेंगे, सदा बढ़ेंगे
तोड़ बंधनों की जंजीर।
हम गढ़ते अपनी तकदीर।

हमें न मोड़ो, हमें न तोड़ो
हमें न जंजीरों में जकड़ो
हम भी तो अनुभव करते हैं
अपना सुख-दुख अपनी पीर।
हम गढ़ते अपनी तकदीर।
हम तुम सबको दिखला देंगे
हम तुम सबको बतला देंगे
नन्हें-मुन्ने होकर भी हम
कितने तन के मन के वीर।
हम गढ़ते अपनी तकदीर

(संकलित

शब्दार्थ

गढ़ते = रचते, बनाते। **तकदीर** = भाग्य, किस्मत, भविष्य। **तस्वीर** = चित्र। **राष्ट्र** = देश। **नवीन** = नया, विशेष प्रकार का। **मानव** = मनुष्य। **सदा** = हमेशा, सदैव। **बढ़ेंगे** = आगे बढ़ते जाएँगे। **बंधनों** = रुकावटों। **जंजीर** = बंधन जिससे कुछ बाँधा जाता है।

अभ्यास-कार्य

(क) सही विकल्प के आगे ✓ लगाइए:

1. कविता को कौन गा रहे हैं?
   (अ) युवक ▢ (ब) वृद्धजन ▢ (स) बच्चे ▢
2. बच्चे अपने नन्हें हाथों से क्या गढ़ते हैं?
   (अ) तस्वीर ▢ (ब) तकदीर ▢ (स) जंजीर ▢
3. बच्चों की मुट्ठी में क्या बंद है?
   (अ) तस्वीर ▢ (ब) जीवन की तस्वीर ▢ (स) तकदीर ▢
4. बच्चे राष्ट्र को कैसा बना सकते हैं?
   (अ) नवीन ▢ (ब) विचित्र ▢ (स) विशाल ▢

(ख) सही कथन के आगे ✓ तथा गलत के आगे ✗ लगाइए:

1. बच्चे प्रस्तुत कविता को 'समूह-गीत' के रूप में गा रहे हैं। ▢
2. बच्चे राष्ट्र पर निर्भर होना चाहते हैं। ▢
3. बच्चे स्वावलंबी बनने की बात करते हैं। ▢
4. बच्चे चाहते हैं कि उन पर किसी प्रकार का बंधन न थोपा जाए। ▢
5. बच्चे आशावादी हैं और कुछ नया करके दिखाना चाहते हैं। ▢

(ग) कविता की छूटी हुई पंक्तियाँ लिखिए:

1. राष्ट्र नवीन बना सकते हैं

....

....

तोड़ बंधनों की जंजीर

....

2. हम तुम सबको दिखला देंगे

....

....

कितने तन के मन के वीर।

....

(घ) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए:

गढ़ते राष्ट्र तस्वीर तकदीर अनुभव जंजीर

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. प्रस्तुत कविता में छोटे बच्चे क्या कर रहे हैं?
2. 'बंद हमारी मुट्ठी में है, अपने जीवन की तस्वीर' का क्या भाव है?
3. बच्चे किसी भी प्रकार का बंधन क्यों नहीं चाहते?
4. बच्चे दुनिया को क्या बताना चाहते हैं?

भाषा-व्याकरण